Sl.No. :

नामांक Roll No.

No. of Questions – 6

No. of Printed Pages – 7

SS–26–Raj.Sah.

यहाँ से काटिए

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2023

राजस्थानी साहित्य

(RAJASTHANI SAHITYA)

समय : 3 **घण्टे** 15 **मिनिट**

पूर्णांक : 80

प्रश्न पत्र को खोलने के लिए यहाँ फाड़ें

परीक्षार्थियां सारू सामान्य निर्देश :

1) सबसूं पैली आपरै प्रश्न–पत्र माथै नामांक लिखों ।

2) **सगळा** सवाल करना जरूरी है ।

3) हरेक सवाल रौ पड़ूत्तर उत्तर पुस्तिका में ईज लिखणौ है ।

4) अेक सूं अधिक भाग वाळा सवाला रा उत्तर अेक साथै लगातार लिखौ ।

5) लेखन मांय सुद्धता अर वैज्ञानिक विवेचन करिया ज्यादा अंक दिरीजैला ।

6) वर्तनी, व्याकरण अर सुलेख रौ विसेस ध्यान राख्तां ओपतो पड़ूत्तर देवौ ।

7) पड़ूत्तर राजस्थानी भासा मांय ईज देवणा है ।

यहाँ से काटिए

खण्ड – अ

प्र.1) नीचै लिख्यै सवालां रा पड़ूत्तर सही विकल्प छांट'र उत्तर पुस्तिका मांय लिखौ ।

i) 'अचलदास खीची री वचनिका' रै रचयिता रौ कांई नांव है – **[1]**

अ) ईसरदास बारठ ब) पृथ्वीराज राठौड़

स) नरपति नाल्ह द) शिवदास गाडण

ii) 'मेड़ता' परगनो किण रियासत में हो? **[1]**

अ) मेवाड़ ब) मारवाड़

स) शेखावाटी द) बीकानेर

iii) 'जीण माता' रो बाळपणै में कांई नांव हो? **[1]**

अ) जोती ब) जतिया

स) जीवणी द) जसोदा

iv) 'हिरोसिमा' अर 'नागासाकी' किण देस रा महानगर है? **[1]**

अ) जापान ब) इटली

स) भारत द) जर्मनी

v) गाय रा कित्ता रिपिया बंट्या? **[1]**

अ) अेक हजार ब) दोय हजार

स) तीन हजार द) चार हजार

vi) 'जसनाथ जी' री जलमभोम रो कांई नांव है? **[1]**

अ) पूगळ ब) सालासर

स) समदड़ी द) कतरिमासर

vii) 'ईसरदास' री रचनावां में वीर रस री रचना है – **[1]**

अ) हाला झाला रा कुंडळिया ब) गुण आगम

स) देवियांण द) हरिरस

viii) ऊमरदान तमाखू पीवणियां नै कैड़ो पुरुस बतायो है? **[1]**

अ) कायर ब) प्रेमी

स) बुद्धिमान द) वीर

ix) 'सपनौ आयो' कविता रै मार्फत कवि कांई कल्पना करी है? **[1]**

अ) राजतंत्र कायम रैवण री ब) लोक राज आवण री

स) राजावां रै दीरघ जीवण री द) पूंजीपतियां रै सासण री

x) 'ओळबौ' कविता में कवि किणनैं ओळबौ दियौ है? **[1]**

अ) धाय मा नै ब) भासा नै

स) कविता नै द) बडेरा नै

xi) 'टूटी ओदणिये' कविता में टूटी अदावण प्रतीक है – **[1]**

अ) गरीबी अर बदहाली री ब) ग्यान री

स) अमीरी री द) मेहनत री

xii) बाळपणै में लेखक नै चामळ रा घाट माथै कुण ले जावता हा? **[1]**

अ) पिताजी ब) दादोसा

स) नानोसा द) काकोसा

प्र.2) खाली जिग्यां नै भरता थकां पड्डूत्तर उत्तर पुस्तिका मांय लिखौ –

i) दुख में सुमिरन सब करै, ... में करै न कोय । **[1]**

ii) घी दूध री नदियां ..... देस में बैवंती ही । **[1]**

iii) कवि कन्हैया लाल सेठिया रो जलम ..... जिले में हुयो । **[1]**

iv) गोविन्द अग्रवाल राजस्थानी भासा री ..... लिपि रा जाणकार हा । **[1]**

प्र.3) सवालां रा पड्डूत्तर अेक ओळी मांय लिखो ।

i) 'साहित्य रो मकसद' निबंध रा लेखक रो नांव लिखो । **[1]**

ii) 'रणमल्ल छंद' काव्य रो नायक कुण है? **[1]**

iii) 'वैताल पच्चीसी' रा राजस्थानी उल्थाकार कुण है? **[1]**

iv) 'वैताल पच्चीसी' री कथा सूं कांई सीख मिलै? **[1]**

v) चौधरी रै मांच्यो पकड़यां पछै घर अर बारै किणरी ज्यादा चालण लागी? **[1]**

vi) 'बंटवारो' कहाणी में लंबरदार किणनै कैयो गयो है? **[1]**

vii) 'बांकीदास' रौ जलम किण गांव में हुयो? **[1]**

viii) बांकीदास रा रच्योड़ा किणी दो ग्रंथां रा नांव लिखौ । **[1]**

ix) जयाचार्य रौ बाळपणै रौ कांई नांव हो? **[1]**

x) घणकरा जैन कवियां री कविता रा कांई विसय रैया? **[1]**

खण्ड – ब

प्र.4) नीचै लिख्योड़ा सवालां रा पडूत्तर लगै–टगै 30 सबदां मांय लिखो ।

i) राजाभोज रा करामाती भायला किण–किण कलावां में पारंगत हा? **[2]**

ii) माटी नै घड़ो अर दिवलो बणण रो चाव क्यूं है? **[2]**

iii) 'बिरखा रूत' विरहणी माथै कांई असर न्हाखै? लिखौ । **[2]**

iv) भक्त कवयित्री 'समान बाई' रो जीवण किण कामां में बीत्यो? **[2]**

v) रूंख उगण रै लारै कवि किण रो किण भांत त्याग बतावै? **[2]**

vi) 'लिछमी' कविता में कवि री कांई अरदास है? **[2]**

vii) राजस्थानी साहित्य रै इतिहास रै कालक्रम नै कित्तै भागां में बांटीज्यौ है? नांव लिखौ । **[2]**

viii) भक्तिकाल रा चार रचनाकार अर वांरी अेक–अेक रचना रो नांव लिखौ । **[2]**

ix) आधुनिक काल री चार गद्य विधावां रा नांव लिखौ । **[2]**

x) काव्य री परिभाषा लिखौ । **[2]**

xi) काव्य प्रयोजन सूं आप कांई समझौ? खुलासो करौ । **[2]**

xii) 'कुंडळियो' अथवा 'छप्पय' छंद री परिभाषा लिखौ । **[2]**

xiii) 'वेलियो' अथवा 'त्रिबंकड़ो' छंद रो उदाहरण लिखौ । **[2]**

xiv) 'अनुप्रास' अथवा 'यमक' अलंकार री परिभाषा लिखौ । **[2]**

xv) 'उपमा' अथवा 'रुपक' अलंकार रो उदाहरण लिखौ । **[2]**

खण्ड – स

प्र.5) नीच लिखी ओऴयां रै भावां रो खुलासो अर सप्रसंग व्याख्या करो ।

i) ''उत्तम खेती, मध्यम वौपार, कनिस्ट चाकरी और भीख निदान' कहावत छै । खेती ऊपर तो आपणो सारो ही देस छै । वौपार मध्यम कह्यो छै, पण पारासर रिसि को कहणौ छै कै वोपार मांहे लक्ष्मी पूरी, बीं सूं आधी खेती मांहै ।'' **[3]**

अथवा

''टापटीप, व्यवस्थितपणौ, अेक बात, बखत की बखत भुगतावण, मीठी बात, नरमाई और गिरायक को आदर–सतकार अै वौपार का अंग छै । अंग्रेज लोग मिट्टी को सोनो कऱया छै ।''

ii) 'आज को सरवण' लघुकथा री मूळ संवेदना दाखला देयनै लिखौ । **[3]**

अथवा

'आज को सरवण' रै पात्र राम रतन रो चरित्र – चित्रण करौ ।

iii) सप्रसंग व्याख्या करौ –

''म्हारी अंतिम – जातरा में सामल लोगां में बै लोग भी भेळा हा, जका मोकौ लाग्या म्हारी टांग खींचण सूं नीं चूकता, पण आज अरथी रै खांधौ देवण सारू ताता दीसै हा । म्हारी आतमा नै तो इणमें भी वांरो कोई स्वारथ निगै आयौ ।'' **[3]**

अथवा

'मि़त्युरासौ' व्यंग्य रै मार्फत लेखक कांई संदेस देवै?

iv) सप्रसंग व्याख्या करौ –

''सालूरा पांणी विना, रहइ विलक्खा जेम ।
ठाढी साहिब सूं कहइ, मो मन तो विण एम ।।'' **[3]**

अथवा

'मारवणी' रै विरह भाव नै उजागर करौ ।

v) 'जटायु' किणरी रिछ्या करणी चावै अर क्यूं? **[3]**

अथवा

आज रै जुग में 'रामरासौ' काव्य री प्रासंगिकता लिखौ ।

vi) सप्रसंग व्याख्या करौ – **[3]**

''या चौफेरूं फीकी हांसी,
झूठा अपणापण की फांसी
सैं संझ्या चिमनी को बझबौ, कतनी बार मरूं?''

अथवा

''म्हनै छोड्या सारा चैन
गैल में बैठी बछा'र नैन
पाग को मान बचा लाज्यौ, सायब मत आज्यौ ।''

खण्ड – द

प्र.6) नीचै लिख्या विसयां मांय सूं किणी अेक विसय माथै राजस्थानी भासा मांय निबन्ध लिखौ । **[6]**

i) खेल रो उच्छब – ग्रामीण ओलम्पिक

ii) कोरोना महामारी – बचाव री राखौ त्यारी

iii) म्हारौ प्रिय साहित्यकार

iv) राजस्थानी लोकगीत

v) कन्या भ्रूणहत्या अेक महापाप

DO NOT WRITE ANYTHING HERE